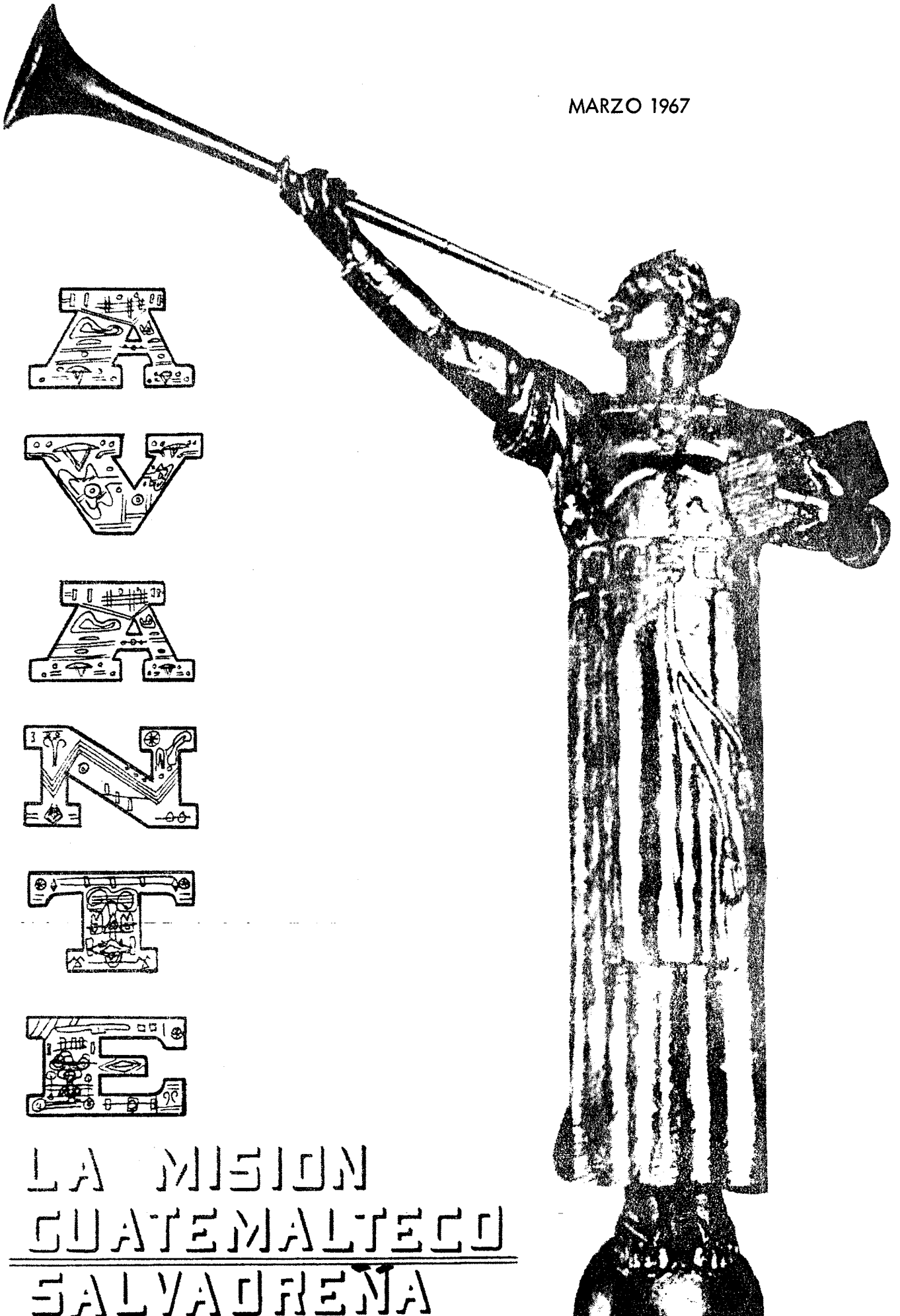


MARZO 1967



A

V

N

T

E

E

LA MISION
GUATEMALTECO
SALVADOREÑA

10/31/2004

100

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

1000

1992

... ..

RECEIVED

100-443887-100

revised 10/19/93

2011-2012

.	.	.

1000

1. The first step in the process is to identify the problem or issue that needs to be addressed. This involves gathering information and understanding the context of the problem.

DATE _____

TIME _____

100

100

10-11-68

100

1943-1944

1970-1971

1944 - 1945

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

15

11-11-68

11-11-68

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

11

12

GUATEMALA-EL SALVADOR MISSION

OFFICE STAFF:

President
President's Companion

Terrence L. Hansen
Glenna Hansen

1st Assistant

Elder Sidney Smith

2nd Assistant

Elder Stanley Hoffman

Financial Secretary

Elder Stephan Guymon

Membership Secretary

Elder Warren Johnson

Literature Secretary

Elder Dennis Taylor

Public Relations

Elder Thomas Hart

ZONE LEADERS

Guatemala

Elder Ronald Farley Z.L.
Elder Jack Runyan Z.L.C.

El Salvador

Elder Donald Christiansen Z.L.
Elder Steven Thorne Z.L.C.

DISTRICT LEADERS

Elder Blaine Breinholt
Elder Myron Davenport
Elder Ross Madsen
Elder Dan Davis
Elder Raymond Morales
Elder Terrance Liechty
Elder Russell Cluff
Elder Michael Massey
Elder James Workman

Elder Wendell Jones
Elder Darryl Dunn
Elder Farrell Oswald
Elder Thomas Hart
Elder Ronald Nelson
Elder James Stone
Elder David Corrigan
Elder Carlos García
Elder Wallace Betz

THE AVANTE IS A MISSION OFFICE PRODUCTION --PRINTED BY ELDER
DENNIS TAYLOR

Dear Fellow Missionaries:

Edmund Spenser long ago wrote:

The gentle mind by gentle deeds is known.
For a man by nothing is so well betrayed,
As by his manners.

It is our privilege to work among a people whose patterns for politeness, whose kindness, whose general courtesy, whose humility, whose generosity, and whose manners are often on a much higher level than our own.

True, we pride ourselves in our origin, our general high level of culture, our great technological advancements, our high standard of living, and our affluence. Yet, we as a people, and especially as missionaries of this great Church have much to learn and far to go when it comes to our behavior and our manners while we are among people of a culture and a country foreign to our own.

Most of us have grown up having been taught that it was a particularly unique privilege to have been born of goodly parents in a country where freedom and certain privileges were guaranteed the individual as a consequence of a divinely inspired constitution. This fact is something that we cannot deny, nor do we want to. And yet we seem always to have the feeling that unless a person lives in North America and speak English he is not our equal. For most of us, our mission teaches us greater tolerance, love of and respect for a people and a culture foreign to our own. This is a wonderful experience. The Book of Mormon reminds us: "Behold, the Lord esteemeth all flesh in one; he that is righteous is favored of God." (1 Nephi 17:35)

While we are here as missionaries, and wherever we go, and in whatever activity we may participate, we are being judged by the choice people of this mission. We are the foreigners. Our manners betray us.

There are many things that come to mind. Permit me to mention but a few. Have we learned all the Spanish patterns of courtesy for meeting, greeting, and saying good-bye to everyone whom we meet, whether they be investigators or members? Do we use them? Are we rude to people who do not want to listen to us? Are we boisterous in public or the theater? Are we unkind to little children or beggars or drunks? Do we observe the highest standards of personal cleanliness?

Our dress, our manners, in fact, our whole being, ought to radiate an image that we are, in very deed, ambassadors of the Lord, Jesus Christ. May he bless us to become that which we so admire in other people.

Terrence L. Hansen

Dear Fellow Missionaries:

Why is it that a missionary is faced with so much temptation, or for that matter, why is anybody tempted? Do you believe that we can really obtain eternal happiness having no opposition in life and therefore not proving our loyalty to the Lord? It has been revealed to us in these latter days that this is the purpose of our earthly existence, that is, to return to our Father in Heaven after showing our faithfulness. A great many people are confronted with problems such as these and ask, "With so much wickedness in the world, how can there be a God?" Hence they do not believe in God because they cannot understand. This is where we come into action. We know and therefore we need to teach them.

In II Nephi 2:11&13, we read, "For it must needs be that there is an opposition in all things. If not so..., righteousness could not be brought to pass, neither wickedness, neither holiness nor misery, neither good nor bad. And if ye shall say there is no law, ye shall also say there is no sin. If ye shall say there is no sin, ye shall say there is no righteousness... And if there be no righteousness nor happiness, there be no punishment nor misery. And if these things are not there is no God..."

Now we can understand why this life is so hard sometimes, but we also know that by enduring throughout this life, we receive eternal happiness. Work hard and endure the enticings of Satan and find out what is meant by real happiness.

Sincerely,

Elder Sidney Smith

Dear Fellow Missionaries:

The United States is unchallenged as the richest most powerful nation in the world. It has the highest standard of living and offers more economic and educational opportunity than any other nation now existing or that has ever existed. For that reason, we as Americans live better and enjoy more of the material fruits of life than any other people.

Many of the people with whom we work as missionaries have not had the rich blessings that we have had and many will never have them. But does that make us better than they are? Does that give us the right to consider ourselves their superiors? Certainly not! What have you and I done to create the economic blessings in the U.S.? Have we really contributed or did we just sort of inherit the blessings?

Wherein lies the real worth of a person? Certainly not in his pocket book nor in the clothes he wears. The real worth of a person is determined by his willingness to obey the basic principles of the gospel of Jesus Christ. It is this characteristic that will in the end exalt us to godhood or condemn us as to future progression.

How do you feel about the people with whom you are working? Are you measuring them by the economic yardstick of man or by the true yardstick of God? Do you consider yourself superior to the people around you because of your superior education and material blessings, and show them that you feel this way by a haughty manner when dealing with them? Do you respect the customs of the people and their way of thinking and use tact in trying to change them or do you simply try to dominate without regard to means employed?

I sincerely hope that we may all be led to the realization that we are working with a chosen people of the Lord, and that we are in no way spiritually or intellectually superior to them. May we as foreigners and ministers of the Gospel always show through our actions that we love and respect this people.

Sincerely,

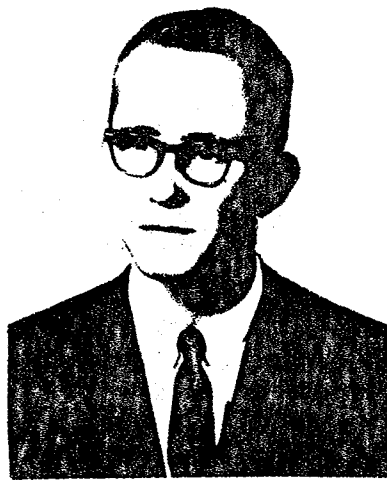
Elder Stanley R. Hoffman

DISTRICT OF THE MONTH MAZATENANGO

HONORS FOR DISTRICT OF THE MONTH FOR THE MONTH OF FEBRUARY
GO TO THE MAZATENANGO DISTRICT LED BY ELDER CARLOS GARCIA
THEY FOUND 122% OF THEIR CHALLENGE. WE CONGRATULATE THEM
FOR THEIR HARD WORK.



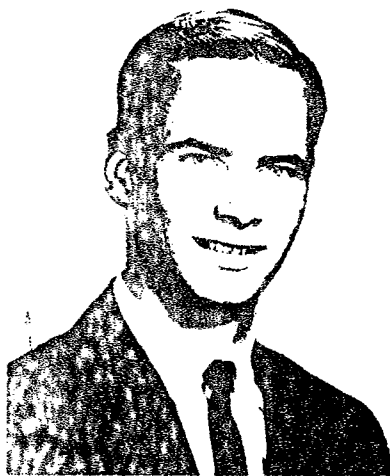
ELDER CARLOS GARCIA



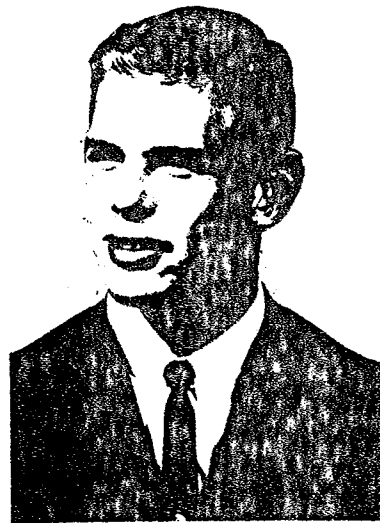
Elder John Robison



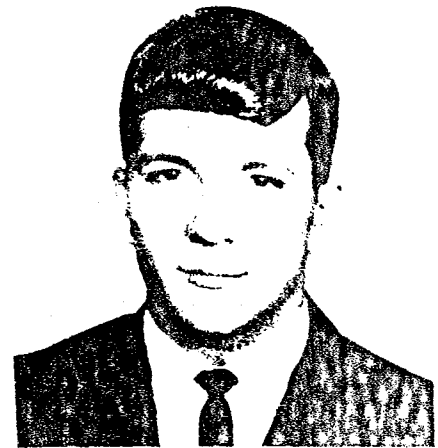
Elder Robert Speaker



Elder Craig Miller



Elder Geoffery Gibson



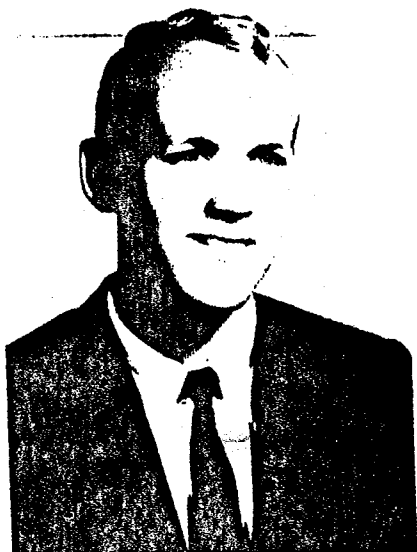
Elder John Bolla

SANTA ANA AND GUATEMALA FOUR ALSO MET THEIR CHALLENGES
FOR THE MONTH OF FEBRUARY. CONGRATULATIONS.....

SIX

MONTHS

For SIX CONSECUTIVE MONTHS GUATEMALA # 4 has attained its challenge. This month, led by District Leader Wendell Jones, they got 105% of their challenge by baptizing twenty-one people. We congratulate them and wish them luck as they go for their SEVENTH MONTH.



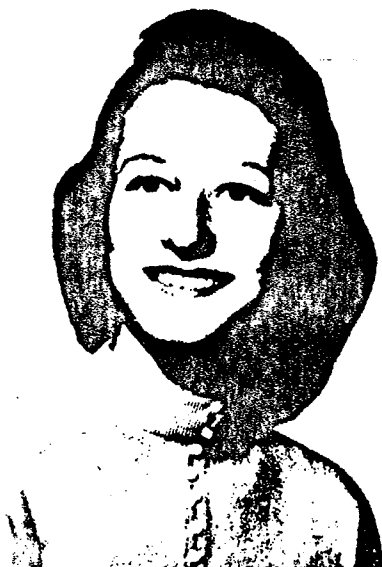
ELDER WENDELL JONES



Sister Roberta Lindsey



Elder Richard Williams



Sister Belinda Boylin



Elder Gerald Simonton

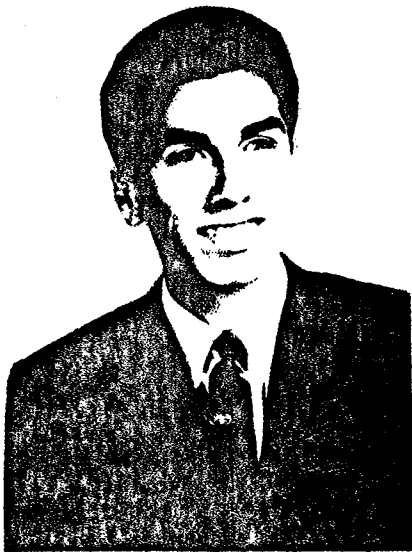


Elder David Campbell

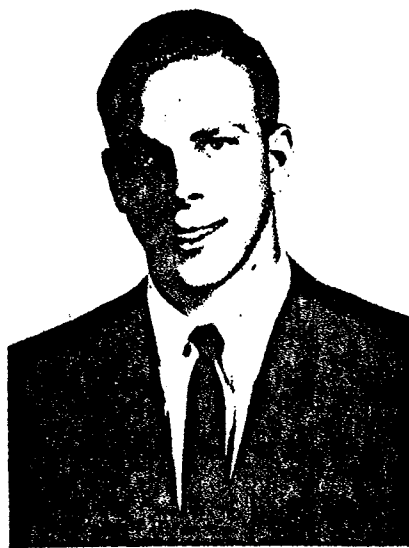
GUATEMALA

FOUR

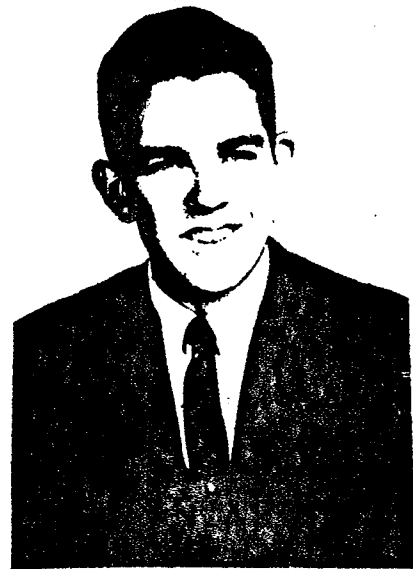
I will go and do the things which the Lord hath commanded, for I know that the Lord giveth no commandments unto the children of men, save he shall prepare a way for them that they may accomplish the thing which he commandeth them. I NEPHI 3:7



Elder Michael Heredia



Elder Robert Brown



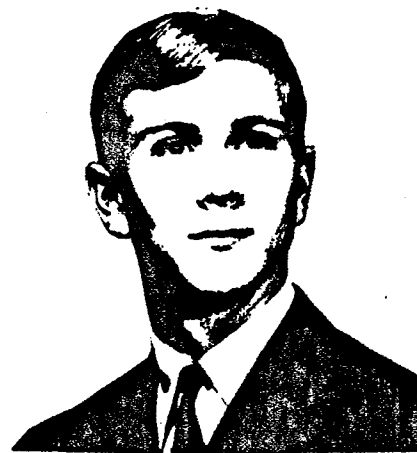
Elder James Lemmon



Elder Francis Scheurich



Elder Randy Harris



Elder John Chambers

F E B R U A R Y

<u>DISTRICT</u>	<u>CHALLENGE</u>	<u>BAPTISMS</u>	<u>%CHALLENGE</u>	<u>D.L.</u>
MAZATENANGO	9	11	122%	GARCIA
SANTA ANA	14	15	107%	Morales
GUATEMALA #4	20	21	105%	W. Jones
SALVADOR #3	14	11	79%	Davenport
GUATEMALA #5	10	7	70%	Dunn
SALVADOR #4	10	7	70%	Madsen
GUATEMALA #1	16	9	56%	Massey
SALVADOR #1	18	8	44%	Breinholt
SAN MIGUEL	8	3	38%	Liechty
GUATEMALA #3	20	6	30%	Workman
QUEZALTENANGO	14	3	21%	Corrigan
ATITLAN	11	2	18%	Stone
GUATEMALA # 6	16	2	13%	Betz
QUICHE	11	0	0%	R. Nelson
GUATEMALA #2	0	0	0%	Cluff
SALVADOR #5	0	0	0%	D. Davis
OFFICE	0	0	0%	Hart
PRESIDENTIAL	-	13	-	- - -

MARCH

<u>DISTRICT</u>	<u>CHALLENGE</u>	<u>DISTRICT LEADER</u>
GUATEMALA #1	13	MASSEY
GUATEMALA #2	4	CLUEFF
GUATEMALA #3	17	WORKMAN
GUATEMALA #4	18	W. JONES
GUATEMALA #5	13	DUNN
GUATEMALA #6	11	BETZ
OFFICE	12	HART
QUICHE	11	R. NELSON
ATITLAN	12	STONE
MAZATENANGO	14	GARCIA
QUEZALTENANGO	18	CORRIGAN
SALVADOR #1	18	BREINHOLT
SALVADOR #3	14	DAVENPORT
SALVADOR #4	13	MADSEN
SALVADOR #5	4	D. DAVIS
SAN MIGUEL	12	LIECHTY
SANTA ANA	16	MORALES
	<u>214</u>	

SELF - - IMPROVEMENT

How well do you supervise yourself? The person who knows and frankly studies his strengths and weaknesses can do more than any other person to appraise himself.

How do you rate yourself on these?	Best	Good	Needs Improvement
------------------------------------	------	------	-------------------

1. What is my relationship to God? A testimony is never static. Is mine increasing or decreasing?
2. Do I act positively more than I react?
3. Am I clear in my mind about my own limitless possibilities for good?
4. Do I often let others dictate whether I will be rude or gracious? Elated or depressed?
5. When do I meditate? Is there a regular time for reflection in the privacy of my own thoughts? Have I set some time in my schedule for introspection and evaluation of self?
6. Do I "lose" myself in my service to others rather than serve with my personal interests dominating my missionary efforts?
7. Do I maintain a well organized daily schedule which allows me to serve others efficiently and still develop my own potential?
8. Do I constantly stress the things of importance to my missionary calling and shun that which detracts from maintaining a high level of spirituality?
9. Am I forthright and unwavering in my support of the Mission, its policies, and its leaders.
10. Do I go about my labors not in vanity nor in pride, but with quiet, unspoken confidence that I can do the job and do it well? Have I taken to heart the words of Nephi:

I will go and do the things which the Lord hath commanded for I know that the Lord giveth no commandments unto the children of men, save he shall prepare a way for them, that they may accomplish the thing which he commandeth them.
(I Nephi 3:7)
11. How do I meet life? In my daily living, am I sanely optimistic, trustful in my faith in God, and affirmative in my feeling for life?
(Cynicism, bitterness and defeat have no place in the mission field)
12. Am I growing in self-trust, gaining a confidence that is based on increased skill, endeavor, and inspiration?

ELDER TO
MOVE FOR THE 20TH OF FEBRUARY

Bishop Santa Ana
Simonton Guatemala #4
Egan Guatemala #1
Dever Guatemala #3
Dickson Salvador #4

MOVE FOR THE 21ST OF FEBRUARY

Fackrell Santa Ana
Fox Salvador #5
Peay Guatemala #2
Peel Guatemala #6

MOVE FOR THE 28TH OF FEBRUARY

K. Jensen Guatemala #3
Boylin Guatemala #1

MOVE FOR MARCH THE 14TH

Freeman Guatemala #1
Thornton Escuintla
Gonzalez Guatemala #6
Wendt Salvador #3
Harris Santa Ana
Runyan Guatemala
Thorne Salvador
Oswald Guatemala #6
Johnston Guatemala #4
Cloward Quezaltenango
Southwick Guatemala #2
Carpenter, D Guatemala #4
Campbell Salvador #1
Johnson, K. Guatemala #4
Edmunds Guatemala #3
Frazier Salvador #4
Lloyd Guatemala #5
Grange Santa Ana
Garrett Quezaltenango
Cazier Salvador #3
Speaker Santa Ana
Perez Coatepeque
Mendez Salvador #4
Stillman Salvador #1
Madsen Salvador #1
Breinholt Retalhulue
García Salvador #4
Betz Office
Heredia Guatemala #3
P. Taylor Guatemala #5
Robison Coatepeque

WITH

Lloyd
Chambers
K. Jones
Moon
Hanks

Runyan
D. Davis
Thomas
Miller

Katona
Lindsey

Massey
J. Jones
Jordan
Davenport
Fackrell
Farley
Christiansen
Tanner
Williams
Hamilton
Cluff
Sheurich
J. Davis
Brown
Yardley

M. Smith
Humphery
Bishop
Hess
Lewis

Morales
Robison
Gardner
Humphreys
Mortenson
Bolla
Bagley
Hart-Johnson
Adams
Corpron
Perez

AS

Sr.
Sr.
Sr.
Jr.
Jr.

Jr.
Jr.
Co-Sr.
Jr.

Co-Sr.
Jr.

Jr.

Jr.

Jr.

Jr.

Sr.

ZLC

ZLC

D.L.

Sr.

Jr.

Jr.

Jr.

Sr.

Sr.

Sr.

Sr.

Sr.

Jr.

Jr.

Jr.

Jr.

Jr.

Jr.

Jr.

Jr.

D.L.

D.L.

D.L.

Pub. Rel.

Co-Sr.

Co-Sr.

B.P.

DID YOU KNOW?

THAT:

When an Elder is due for a gamma globulin shot he is automatically charged for the shot by the Office. There is no refund for missed shots.

THAT:

All missionaries receiving medical care must sign all bills. If the Mission receives a bill which does not have that missionary's signature, the missionary will have to pay the complete bill. This is to protect the Mission, you, and the Church's image. Elder Guymon

THAT:

All missionaries after being sent to and returning from the hospital should make sure that the office is advised of the care given them and the exact nature of the problem? Please show us this courtesy.

THAT:

Notices of charges have been sent to all missionaries with debts to the Mission? In order to facilitate the rapid payment of these debts, it has been decided that the missionary may submit the amount to the District Leader. The District Leader will then submit the payment of all the missionaries in his district to the Mission Office. Due to the large amount of money invested in the missionaries, it would be greatly appreciated if all of the notices were given immediate attention. Elder Guymon

THAT:

The Office is closed on Mondays? Those Elders working out of the city should make arrangements to do their business in the office on some day other than Monday. We will be and are happy to help you in whatever way we can, but please do not ask us to do it on Monday. We have our own areas and investigators that we visit and teach on Mondays and so would appreciate it if all office business were taken care of during the other days in the week.

THAT:

Only the D.L.s are authorized to submit pedidos to the office? When they are submitted they should be accompanied by the necessary funds to cover the complete cost of the items desired. If the money is not sent with the pedido the items will not be sent. Elder Taylor.

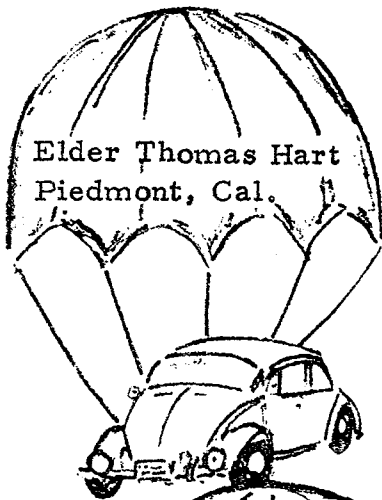
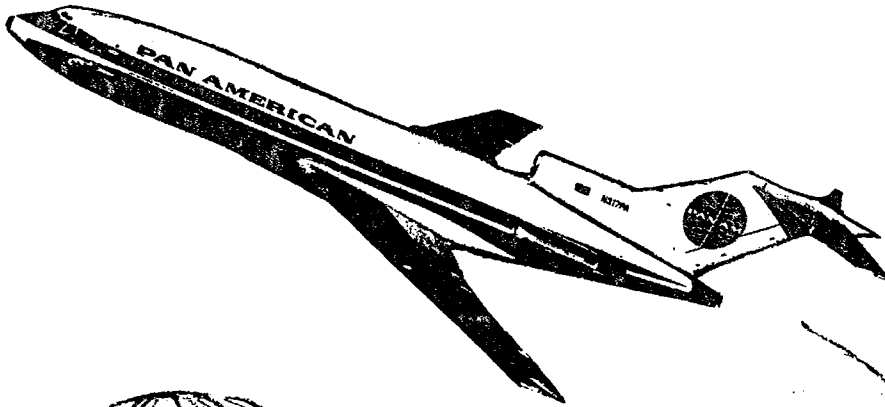
THAT:

Too many missionaries are seen too often both in downtown Guatemala City and San Salvador? Unless these sections are in your assigned proselyting areas there is no reason for you to be there, unless, of course you choose to go downtown on your own time on Monday morning. In Guatemala City you are reminded that Elders should never go downtown without wearing their coats.

THAT:

We still need two pictures of every Elder in the Mission? If you have not sent yours, please do so immediately.

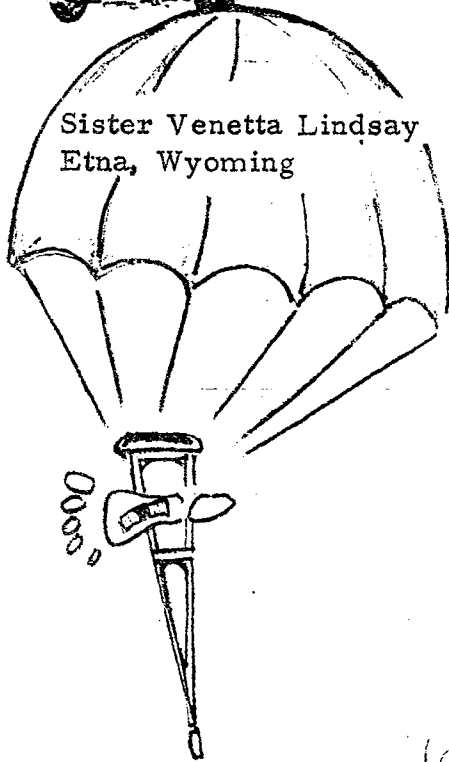
NOS VEREMOS



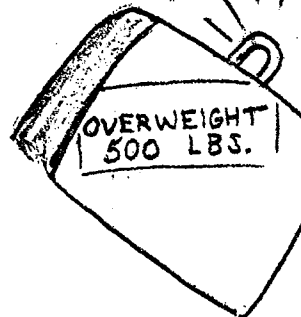
Elder Thomas Hart
Piedmont, Cal.



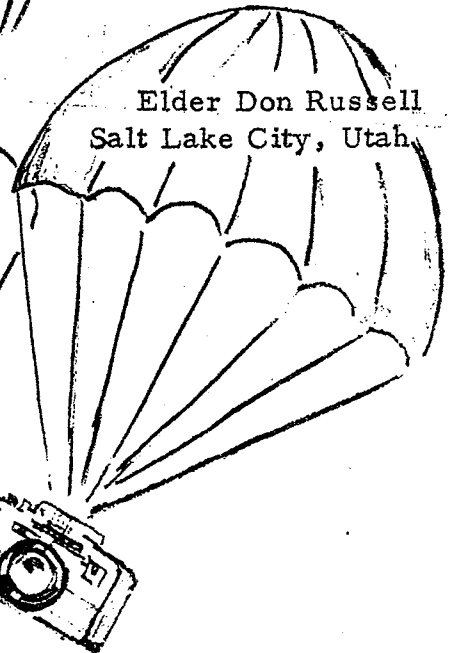
Sister Mary Jo Katona
Woodland Hills, Cal.



Sister Venetta Lindsay
Etna, Wyoming



OVERWEIGHT
500 LBS.



Elder Don Russell
Salt Lake City, Utah

ADIOS

GUATEMALA EL SALVADOR

TOP

BAPTIZERS

J. Runyan	8
E. Crosby	7
G. Gibson	7
M. Peel	7
L. Felt	6
G. Perkins	6
M. Davenport	5
M. Dever	5
M. Hanks	5
E. Heredia	5
W. Jones	5
G. Jordan	5
F. Scheurich	5
D. Thornton	5



HOURS

LESSONS

G. Mortenson	91
B. Breinholt	89
D. Frazier	65
J. Yardley	64
R. Harris	59
M. Heredia	58
F. Scheurich	58
R. Williams	57
J. Lemmon	56
N. Garrett	55
P. Lewis	55
W. Jones	55
M. Hanks	55
T. Stillman	54
P. Petersen	54
W. Golthwaite	55
M. Gardner	54
N. Jones	54
J. Katona	54
S. Pearson	53
A. Manwaring	52
G. Simonton	52
G. Perkins	50
L. Felt	50
R. Goodwin	50

D. Frazier	77
J. Yardley	76
D. Carpenter	72
M. Smith	72
B. Breinholt	72
G. Mortenson	72
M. Hanks	69
M. Massey	69
J. Runyan	68
P. Lewis	68
N. Garrett	68
W. Jones	67
J. Wendt	67
M. Gardner	66
R. Harris	65
J. Robison	65
T. Stillman	65
W. Betz	65
M. Dever	65
T. Liechty	65
R. Nelson	65
R. Speaker	64
M. Peel	64
J. Brower	64

J. Tanner	64
K. Rasmussen	63
G. Perkins	63
L. Felt	63
C. Garcia	63
R. Witten	63
G. Bagley	63
C. V. Smith	63
B. Lloyd	63
R. Williams	62
T. Mendez	62
S. May	62
K. Johnson	61
J. Davis	61
N. Jones	61
K. Humphreys	61
J. Workman	61
W. Southwick	60
R. Goodwin	60
D. Hamilton	60
R. Madsen	60
R. Egan	60
S. Colwell	60
S. Pearson	60

EFFECTIVE TIME

There have been many requests that we again state what is considered effective time for a missionary. That becomes a bit of a task, due to the peculiar nature of missionary work. No matter how many hours a missionary works, no matter how many lessons he may give in a week if a missionary is not an effective part of a three man team, two dedicated missionaries and the Holy Ghost, he will find it impossible to spiritually convert those with whom he is working. The chart below indicates what effective time is only after the missionaries have prepared themselves to work as members of "the three man team."

Effective Time is:

- A. In regular Missionary work
 - 1. Lessons
 - 2. Tracting
 - 3. Visiting members for references (occasionally 10-15 minute visits)
 - 4. Traveling between visits - fastest means possible.
 - 5. Traveling to area - not more than 15 minutes
- B. In district activities
 - 1. Family home evenings
 - 2. District testimony meetings
 - 3. District workshop
 - 4. District projects--fair displays, exhibitions, etc.
- C. In meetings
 - 1. Priesthood meeting - with investigators
 - 2. Sunday School-- with investigators
 - 3. Sacrament meeting (preferably with investigators)
 - 4. M.I.A. with investigators
 - 5. Baptismal services - with investigators
 - 6. Mission conferences and interviews
- D. In other
 - 1. Special mission assignments
 - 2. Marriage arrangements
 - a. partidas
 - b. cédulas
 - c. actual marriage ceremonies
- E. District Leaders
 - 1. District reports
 - 2. District errands - mail, move notices, etc.
 - 3. Interviews for baptisms
 - 4. Branch leadership meetings
- F. Branch work
 - Where permitted and only as assigned by the Mission President

Oficina del Distrito de Guatemala
13 de marzo 1967

Presidente Terrence L. Hansen
Misión Guatemalteco-Salvadoreña
Presente

Estimado Presidente Hansen:

ASUNTO: BAUTISMOS Y HERMANAMIENTO

En las recientes reuniones con varios de los presidentes de rama estos nos han expuesto algunos problemas que han notado en el procedimiento del bautismo y el subsiguiente hermanamiento.

Creemos que estos problemas pueden ser fácilmente superados por medio de una aplicación mas completa del nuevo "Programa de Hermanamiento" recientemente distribuido. Hacemos mención especial del punto 2 de dicho programa donde dice:

"...La entrevista debe realizarse en un día y una hora cuando el Presidente de la rama puede estar. En esta forma, el Presidente de la rama llegará a conocer al miembro nuevo antes que éste se bautice, y tendrá tiempo para hablar con el. (El Presidente de la rama no participará en la entrevista, sino hablará después con el converso.)

Mucho le agradeceríamos hacer énfasis sobre este importante aspecto con los hermano misioneros para que estos procedan así.

De esta manera no sólo tendrán ocasión los Presidentes de rama de conocer al converso previamente (e inclusive programar mejor la ceremonia de bautismo) sino avisar a los líderes de la correspondiente organización auxiliar para que estén presentes en la ceremonia y proseguir con mayor efectividad con el proceso de hermanamiento.

Agradecemos muchísimo su siempre fina ayuda y le rogamos expresar en su debida ocasión, a los hermanos misioneros de tiempo completo que están realizando una tan encomiable labor en nuestro país, nuestro más sincero aprecio por sus esfuerzos y sacrificios por llevar el evangelio a nuestros conciudadanos, todo lo cual estamos seguros - y no sólo es un dicho sino es una verdad - Dios se los recompensará.

Deseándole a Ud. y todos sus colaboradores en la Misión un creciente y continuo éxito en su buena labor, quedo de Ud., en nombre de la Presidencia del Distrito, su más Atto. Y S.S. y hermano en la fé

Udine Falabella
Presidente

IS THIS HAPPENING IN EL SALVADOR ALSO?

VII - Pure Knowledge

- Do you enjoy the discipline of assembling information, ideas, feelings and attitudes and in bringing these to bear upon administrative decisions?
- Are you willing to follow the knowledge which comes also by faith and the "sure word of prophecy"?
- Do you feel that a faith which inquires and leads you to "study it out in your own mind" first is the kind which merits the guidance of the Holy Ghost?

VIII - Reproving with Sharpness

Reproving with sharpness, when necessary and when moved upon to do so by the Holy Ghost, is incumbent upon every true priesthood leader. The goals of the priesthood are not unattainable. They are the order and will of God in the temporal and spiritual salvation of all saints. They were given, as the Lord said, "for a principle with promise, adapted to the capacity of the weak and the weakest of all saints, who are or can be called saints." When the individual or group falls below the standards set by the Lord and which we have all agreed upon to follow as saints, then the priesthood leadership has the duty and privilege, when directed by the Holy Ghost, to remind us of this lag with "sharpness." By "sharpness" we mean with meaningful words which communicate.

- Do you believe that effectively reminding ourselves of the goals we have jointly agreed upon is good administration?
- Do you, in reproofing, avoid nagging, sarcasm, cutting remarks, and, instead, talk principles rather than personalities?
- Do you avoid reproofing a person until the spirit of prayer and the Holy Ghost is your guide and prompter?
- Do you realize that you may reprove only in the jurisdiction in which you serve and that no one issues a reproof to those who preside over them?
- Do you believe a leader has greater power of discernment and influence in counseling non-tithepayers if he himself is a faithful tithepayer?
- When a whole group is not concerned with a deficiency, do you use private rather than public reproof?
- Do you believe you are ready to reprove if you are not capable of an increase in love toward the one you will reprimand?
- Is your faithfulness to the one reproofed stronger than "the cords of death"?
- Does your increase in love to the one reproofed extend beyond what can happen to that person in this world?

--Are you willing to sit up all night, or go two miles instead of one, if it will help the errant one?

IX - Charity

Charity toward all men is one of the concluding requirements. The term "Let thy bowels be full of charity" means that quality of charity which is "the pure love of Christ," so complete as to be felt in the very vitals of one's whole body. Charity is that longing to share the joys and sorrows of your fellow men. It is the soul's sincere desire to share the great blessings of the gospel with others. It is the crowning virtue of all the laws of priesthood leadership, because if we possess it we know that it can come from no other source than from God himself. It only blesses those leaders who are true followers of the Son of God. Christ did not do anything but that which would benefit the whole world. He gave His own life that He might draw all men to Him, and all men are persuaded to repent and partake of His goodness.

--Do you believe that all who truly come unto God, black and white, bond and free, male and female, are all alike unto him?

--Do you have any deep-felt concern when a flood takes the lives of thousands in China, or when catastrophe, disease or pestilence fall upon any portion of mankind?

--When and if any of your members go to jail, do you feel that you too are a prisoner with them? In other words, do you exult when justice or injustice falls upon your neighbor, or do you weep? Is your first reaction to search your own soul to see if you have discharged all of your responsibility toward the prisoner?

--Can you rejoice with your neighbor if he is fortunately able to have a nicer home than you have?

--If someone accuses you of something you did not do, can you find it in your heart to forgive him?

--Are you inclined to treat people as they are or as they may potentially become?

--Do you believe that charity is the pure love of Christ? Do you check your actions with the question, "What would Christ do if he were here?"

X - Virtue

"Let virtue garnish thy thoughts unceasingly" is the final admonition to priesthood leaders. Virtue is accomplishment. It is covenants kept and goals reached. It is clean hands and a pure heart and a soul void of vanity and deceitfulness. It is the awareness of progress and success. It is the joy of having kept the faith. Obedience lends encouragement to greater achievement. Virtue is partaking of the fruits of the tree. Having virtue strengthens one's belief in planting, watering, and nurturing, and in the value of continuing the fight for the right.

One of the greatest obstacles to strong leadership in the priesthood is the feeling of one's inadequacy to carry out the high and lofty idealism of the gospel plan. Moroni felt this inadequacy, as did Moses. But as each leader has conformed to the laws of priesthood leadership, he has grown in power. The reward of virtue is confidence in the presence of God, who is the head of the priesthood. It seems incredible that with all of our present imperfections and weaknesses that God could and would promise us that some day we would feel at home with him and that he would cleanse us by his great power and not censure us for wanting to be in his presence--a glorified holy friend whom we can worship and love with all our hearts, might, mind, and strength. The doctrines of the priesthood will be natural and beautiful principles which will distill upon our souls as the dew from heaven. The Holy Ghost will carry with us, in rough or smooth days of administration, so that no action or decision we take will be out of harmony with the purposes of God.

Each priesthood leader, whether in the home, the quorum, the M.I.A. or the bishopric, will have as his badge of authority, righteousness and truth. People will follow this leader, not because they are compelled to do so, but because they love him; and the dominion over which he presides in his time and season will be an everlasting one, for the laws by which he has learned to govern a few will govern millions.

By Harold Glen Clark

The "Chicago Examiner," in an editorial on "Courage", related the following story:

In this street of Life, walking in the darkness of the shadow, hungry old Satan was out hunting with his dogs, the little imps of human weakness.

A man came walking through Life's street.

Satan said to the little devil, with a bitter face, "Go, get him for me."

Quickly the imp crossed the street, silently and lightly hopped to the man's shoulder. Close to his ear he whispered:

"You are discouraged."

"No," said the man, "I am not discouraged."

"You are discouraged."

The man replied this time, "I do not think I am."

Louder and more decidedly the little imp said again: "I tell you you are discouraged."

The man dropped his head and replied: "Well, I suppose I am."

The imp hopped back to Satan, and said promptly: "I have got him, he is discouraged."

Another man passed. Again old Satan said, "Get him for me."

The proud little demon of discouragement repeated his tactics.

The first time that he said, "You are discouraged," the man replied emphatically, "No."


The second time the man replied: "I tell you I am not discouraged."

The third time he said: "I am not discouraged. You lie."

The man walked down the street, his head up, going toward the light.

The imp of discouragement returned to his master crestfallen.

"I couldn't get him. Three times I told him he was discouraged. The third time he called me a liar, and that discouraged me."



Michael Thompson
March 5

Kenneth Jones
March 5

Richard Dickson
March 14

Thomas Carpenter
March 7

Dennis Taylor
March 15

Robert Brown
March 18

Clint Hymas
March 16

John Cazier
March 23

Ralph Goodwin
March 23

David Edmunds
March 25

John Wendt
March 26

Rick Miller
March 31

Paul Mendenhall
March 31

RELACIONES PUBLICAS

- **On Wednesday, March 8th, President Hansen presented Col. Julio A. Rivera, President of El Salvador, an especially bound copy of the Book of Mormon. Bishop F. Burton Howard, the legal representative for the Church in Latin America, accompanied President Hansen and Elder Hart. The visitors were very cordially received at the Casa Presidencial and talked with President Rivera for an hour about the progress of the Church in El Salvador and what our beliefs are. He was very interested in the explanations of the doctrines and functions of the Church and expressed appreciation for the beneficial and spiritual influence that Mormonism offers the people of El Salvador. It may also be mentioned that the legal work is under way in El Salvador in order that the Church will soon be officially recognized by the Salvadoran Government.
- **A list of all current Church radio and television programs being played by stations in Guatemala and El Salvador will soon be circulated among missionaries, so that investigators and members may be able to take advantage of these educational and spiritual opportunities.
- **On Saturday, March 25th, Canal 3 in Guatemala City, tentatively has plans to start a 10 week series of the BYU basketball games produced in Spanish by KSL of Salt Lake City for television use in Latin America. This same series will begin also on Canal 4 in San Salvador on Saturday.
- **Negotiations are now under way with the proper authorities to permit the Church Genealogical Society to microfilm, not only all genealogical records in Guatemala, but also those in the other Central American countries.
- **Copies of the new "Conozca a los Mormones" have been ordered and soon will be available through the Mission Office.

— 0 J 0 —

23 FULL COLOR POSTERS

SIGNS OF THE TRUE CHURCH

NOW AVAILABLE IN SPANISH IN TWO SIZES

SETS SMALL POSTERS 8"X11" AT \$5.00
PER SET OF 23

SETS LARGE POSTERS 22"X28" AT \$10.00
PER SET OF 23

IF YOU DESIRE A SET PLEASE GIVE THE PROPER
AMOUNT OF MONEY TO YOUR D.L. AND HAVE
HIM SEND IT TO THE MISSION OFFICE.